

अर्पित किया हुआ 3. जिसे नैवेद्य अर्पित किया गया हो पुं. 1. हवन की वस्तु या नैवेद्य, हवन सामग्री, हवि 2. शिव का एक नाम।

हुत प.स. (देश.) जैसे- देश हुत (देश से), कित हुत (कहाँ से) ऊँह हुत (वहाँ से)।

हुतका पुं. (देश.) 1. घूँसा, मुक्का 2. जोर का धक्का।

हुतना अ.क्रि. (देश.) आहुति के रूप में आग में पड़ना, हुत होना।

हुतभक्ष पुं. (तत्.) 1. अग्नि, आग 2. चित्रक या चीता नामक वृक्ष।

हुतभुक/हुतभुज पुं. (तत्.) 1. अग्नि, आग 2. चित्रक या चीता नामक वृक्ष

हुतवह पुं. (तत्.) आहुति वहन करने वाला अर्थात् अग्नि, आग।

हुतशेष पुं. (तत्.) हवन करने से बची हुई सामग्री।

हुता अ.क्रि. (तद्.) 'था' का अवधी और बुंदेलखंडी रूप।

हुतो अ.क्रि. (देश.) ब्रजभाषा में 'होना' क्रिया का भूतकालिक रूप, अर्थात् 'था'।

हुताग्नि पुं. (तत्.) 1. हवन कुंड की अग्नि, हवन की आग 2. जिसने हवन किया हो, होमकर्ता, अग्निहोत्री।

हुतात्मा पुं. (तत्.) जिसने अपनी आत्मा या अपने आपको किसी काम में लगाकर पूर्णतः समर्पित कर दिया हो।

हुताश पुं. (तत्.) 1. अग्नि 2. दावाग्नि, जठराग्नि, बड़वाग्नि इन तीन प्रकार की अग्नियों के आधार पर तीन का द्योतक पद (पद्य आदि में) 3. चित्रक या चीता नामक वृक्ष।

हुतासन/हुताशन पुं. (तत्.) अग्नि, आग, जिसमें आहुति दी जाती है।

हुति अव्य. (तद्.) 1. पुरानी हिंदी में अपादान और करण कारका का चिह्न, से, द्वारा 2. ओर से, तरफ से।

हुतैं क्रि.वि. (देश.) ओर से, तरफ से जैसे- मेरे हुतैं अर्थात् मेरी तरफ से।

हुदकना अ.क्रि. (देश.) उमंग में आकर आगे बढ़ना, फुदकना।

हुदकाना स.क्रि. (देश.) उकसाना, उत्तेजित करना, भड़काना।

हुदहुद पुं. (फा.) एक सुंदर पक्षी जिसका सारा शरीर चमकीले और भड़कीले परों से ढका रहता है और सिर पर ताज की तरह लंबी चोटी होती है, मुसलमान लोग इसे 'शाहसुलेमान' भी कहते हैं, यह दूब घास की जड़ें खोदता रहता है इसलिए इसे दूबिया भी कहते हैं, कहीं इसे हजामिन भी कहते हैं।

हुदहुदी स्त्री. (अनु.) भय, डर, आतंक की मनस्थिति।

हुदारना स.क्रि. (तत्.) बँधी हुई रस्सी पर कोई चीज फैलाना या लटकाना।

हुद्दा स्त्री. (देश.) 1. एक प्रकार की मछली पुं. 2. ओहदा या पद।

हुन पुं. (तद्.) 1. मोहर, अशरफी, स्वर्ण मुद्रा 2. सोना, स्वर्ण जैसे- हुन बरसना का अर्थ है अत्यधिक धन की प्राप्ति होना।

हुन क्रि.वि. (पं.) 1. अब 2. अभी-अभी।

हुनक सर्व. (देश.) उनका जैसे- हुनक भाग्य।

हुनना स.क्रि. (तत्.) 1. आग में जलाने के लिए छोड़ना, डालना 2. आहुति देना, हवन या होम करना 3. मार डालना।

हुनर पुं. (फा.) 1. कला, कारीगरी, कार्य-कौशल, योग्यता, फ़न 2. चतुराई, चालाकी, हाथ की सफाई 3. विद्या।

हुनरमंद वि. (फा.) 1. जो किसी कला, हुनर या पेशे का जानकार हो, निपुण, कुशल 2. शिल्पकार, कलाकार, गुणी।

हुनरमंदी स्त्री. (फा.) हुनरमंद होने की अवस्था, क्रिया या भाव, कला-कुशलता, निपुणता, कार्यकुशलता, गुणी होना।

हुनरा पुं. (फा.) वह बंदर या भालू जो नाचना और खेल दिखाना सीख गया हो, कलंदर वि. कलाकार, हुनरमंद।